# महात्मा गॉधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना–प्रगति की निशानी

| | | |
|---|---|---|
| 1. | परियोजना का नाम | – पोखरे का जीणोद्धार |
| 2. | स्वीकृत लागत | – 93264.00 (तीरान्वे हजार दो सौ चौसठ) |
| 3. | सृजित मानव दिवस | – 680 |
| 4. | व्यय धनराशि | – 93264.00 (तीरान्वे हजार दो सौ चौसठ) |
| 5. | श्रमांश | – 68000.00 (अरसठ हजार मात्र) |
| 6. | कार्यदायी संस्था | – ग्राम पंचायत गुरवां |

ग्राम पचांयत गुरवॉ विकास खण्ड हनुमानगंज, जनपद बलिया मुख्यालय से लगभग 5.00 कि0मी0 दूरी पर स्थित है। यहॉ की आवादी मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर करती है। मुख्य फसल धन व गेहूॅ है। कुछ किसान सब्जी की खेती भी करते हैं। गॉव में एक पोखरा स्थित है, जहॉ पर गॉव की महिलाएं छठ पूजा का धार्मिक कार्य भी सम्पादित करती हैं। इस पोखरे से लोगों की धार्मिक आस्था जुड़ी हुयी है। किन्तु गर्मी के महीने में पोखरे का पानी सूख जाता था, जिसके कारण लोगों के मन में निराशा थी। गर्मी के महीने में भूगर्भ जल स्तर गिरने से गॉव के कूएं सूख जाते थे और हैण्डपम्प पानी छोड़ देते थे, जिसके कारण गर्मी के महीने में पेयजल की समस्या भी उत्पन्न हो जाती थी।

इसी बीच महात्मा गॉधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना की कार्ययोजना के तैयारी के सम्बन्ध में ग्राम सभा की बैठक में गॉव के निवासी शिव नारायण पुत्र शम्भू चौहान ने धार्मिक आस्था से जुड़े तालाब की खोदाई का अनुरोध ग्राम वासियों से किये, जिसपर सभी ग्रामवासी आह्लादित मन से इस तालाब के खोदने के प्रस्ताव को पारित किया। तालाब की खुदाई हो जाने से 680 मानव दिवस का सृजन हुआ, जिससे गॉव में जॉब कार्ड धारक मजदूरों को रोजगार मिला। साथ ही अब इस पोखरे में पूरे साल भर पानी भरा रहता है, जिससे जानवरों के पानी पीने की समस्या का निदान हुआ और जल स्तर बढ़ने से कूएं व हैण्डपम्प भी गर्मी के महीने में नहीं सूखते। ग्राम प्रधान डा0 राजलक्ष्मी मौर्य ने बताया कि इस तालाब के खुदाई से गॉव की महिलाएं सबसे अधिक प्रसन्न है। क्योंकि छठ पूजा के समय तालाब में भरपूर पानी रहने से उन्हें पूजा अर्चना करने में सहूलियत हो रही है और गॉव की पेयजल की

समस्या का भी निदान हुआ है। गॉव के मजदूर रामनारायण, नन्दजी, रामनाथ, दुली के द्वारा यह बताया गया कि अब उन्हें रोजगार की तलास में गॉव से बाहर नहीं जाना पड़ता है। गॉव में रहते हुए अपने बीबी बच्चों को पालने के साथ–साथ महात्मा गॉधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना के अन्तर्गत मजदूरी करने से उनकी आर्थिक उन्नति हो रही है और वे अपने खेतों में भी काम कर अपनी गृहस्थी को सम्भालते हैं। गॉव के मजदूरों द्वारा यह बताया गया कि यह योजना ग्रामीण मजदूरों के लिए वरदान साबित हुयी है।